मासिक ई-समाचार पत्रिका

# डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, (समस्तीपुर) बिहार-848125

## कुलपति महोदय का सन्देश

डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि विश्वविद्यालय द्वारा "अपशिष्ट प्रबंधन से जीविकोपार्जन" के दिशा में किये जा रहे प्रयासों के अंतर्गत विकसित एक नवीन मॉडल "सुखेत मॉडल" को राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय समाचार पत्रों तथा टीवी मीडिया के माध्यम से व्यापक लोकप्रियता मिल रही है । यह मॉडल कृषक बंधुओं के बीच अपशिष्टों एवं गोबर के बदले एल पी जी सिलेंडर उपलब्ध कराने के अपने अनूठे पहल के कारण खासा लोकप्रिय हो रहा है । इस मॉडल के माध्यम से अपशिष्टों का वैज्ञानिक प्रबंधन कर न सिर्फ वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण किया जा रहा है बल्कि महिलाओं को एल पी जी सिलेंडर उपलब्ध हो जाने से उन्हें धुंआ रहित खाना पकाने तथा स्वच्छता बनाये रखने में भी सहायता मिल रही है । इस मॉडल से न सिर्फ गाँव आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होंगे बल्कि यह माननीय प्रधानमंत्री जी के "आत्मनिर्भर भारत" की संकल्पना को भी साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है।

मुझे यह जानकर खुशी है कि शीतकालीन सत्र के सभी पाठ्यक्रमों (स्नातक , परास्नातक और पीएच.डी) की ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक पूरी की जा चुकी है और जल्द ही परिणाम घोषित कर दिया जाएगा। परास्नातक और पीएच.डी. के थीसिस कार्य भी प्रगति पर हैं तथा इसे भी ससमय पूर्ण कर लिया जायेगा । हमारे लिए यह बहुत खुशी की बात है विश्वविद्यालय द्वारा तीन नए पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रम, क्रमशः एग्री-वेयरहाउस मैनेजमेंट, कृषि पर्यटन प्रबंधन और कृषि पत्रकारिता एवं जन संचार की शुरुआत की जा रही है।

अच्छी बारिश से हमें खरीफ की अच्छी फसल की उम्मीद है लेकिन हमें बीमारियों और कीटों के प्रकोप पर बारीकी से नजर रखने की जरूरत है। अंत में, मैं सभी कोरोना योद्धाओं तथा विश्वविद्यालय परिवार को सावधान रहने की सलाह देता हूँ क्योंकि, कोरोना का संकट अभी भी टला नहीं है। मै ईश्वर से सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ।

**खंड -2, अंक -7**
***जुलाई*, 2021**

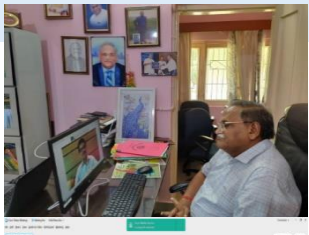

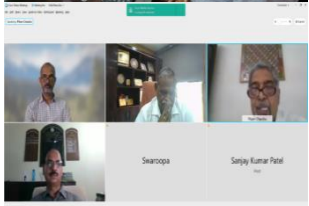

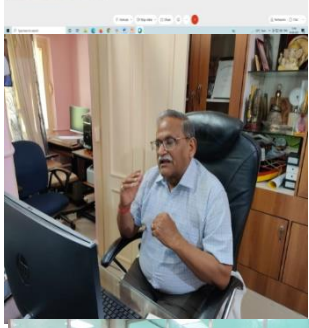

**संरक्षक :**

**डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव (कुलपति)**

**संकलन एवं संपादन :**

*डॉ. (राकेश मणि शर्मा, रत्नेश. कु. झा, पी. कु. प्रणव, अंकुर जामवाल, आशीष कु.पंडा, गुप्तनाथ त्रिवेदी, कु. राज्य वर्धन)*

**तकनीकी सहयोग:**
मनीष कुमार

**मुद्रण:**

प्रकाशन प्रभाग,
डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

**संपर्क:**
www.rpcau.ac.in

publicationdivision@rpcau.ac.in

## कुलपति महोदय की संलग्नता:

- दिनांक 01.06.2021 और 02.06.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा के अनुसन्धान परिषद् के बैठक की अध्यक्षता किया।
- दिनांक 01.06.2021 को विश्व दुग्ध दिवस पर पैनलिस्ट के रूप में वेब- सेमिनार की अध्यक्षता की।
- दिनांक 02.06.2021 को "खरीफ महाभियान- 2021" के शुभारंभ के अवसर पर कृषि विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 03.06.2021 को वर्चुअल मोड द्वारा विश्वविद्यालय की छठी शिक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 04.06.2021 को नास (NAAS) स्थापना दिवस व्याख्यान 2021 में भाग लिया।
- दिनांक 05.06.2021 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रा.प्र.के.कृ.वि. द्वारा आयोजित "बिहार में जल भराव/बाढ़ संभावित क्षेत्रों के प्रबंधन" पर वेबिनार में भाग लिया।
- दिनांक 08.06.2021 को बामेती शासी परिषद की 14वीं बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 14.06.2021 को कृषि मशीनीकरण के लिए उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के संबंध में वर्चुअल मोड के माध्यम से डॉ. प्रतिम चंद्र, सलाहकार, भारतीय कृषि कौशल परिषद और अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के साथ बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 15.06.2021 को राज्य स्तरीय ई-किसान सम्मेलन, कृषि विज्ञान केन्द्र वैशाली की अध्यक्षता की और किसानों को संबोधित किया।
- दिनांक 16.06.2021 को विश्वविद्यालय की गतिविधियों के संबंध में ज़ी न्यूज़ चैनल के साथ एक साक्षात्कार में योगदान दिया।
- दिनांक 17.06.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना प्रबंधन समिति की छठी बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 17.06.2021 को विश्वविद्यालय अस्पताल, रा.प्र.के.कृ.वि. में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय पूसा के एक पूर्व छात्र के माध्यम से उत्तरी अमेरिका मैथिली मंच, यूनाइटेड स्टेट ऑफ़ अमेरिका द्वारा प्रदान किये गए ऑक्सीजन कॉन्संट्रेटर का उद्घाटन किया।
- दिनांक 18.06.2021 को वर्चुअल मोड के माध्यम से भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 22.06.2021 को जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया (यूपी) की ऑनलाइन व्याख्यान श्रृंखला में "ग्रामीण रोजगार बनाना- कृषि से परे देखना" पर व्याख्यान दिया।
- दिनांक 28.06.2021 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 30.06.2021 को दूरदर्शन, पटना में बिहार बिहान के लाइव कार्यक्रम में भाग लिया।

## शिक्षा और शैक्षिक गतिविधियां:

- 15-जून-2021 से 25-जून-2021 तक वचुअल साधनों के माध्यम से विश्वविद्यालय की सभी शैक्षणिक इकाइयों में अंतिम अवधि की परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गईं।
- कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय पूसा एलुमनी एसोसिएशन ने कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय के एलुमनी लेक्चर सीरीज के 5वें लेक्चर का आयोजन किया। प्रो. कृति बर्धन गुप्ता आईआईएम-लखनऊ, सीएई के पूर्व छात्र (बैच - 1986) ने 30 जून 2021 को "कृषि उद्यमिता और कृषि व्यवसाय: अवसर और चुनौतियां" पर एक व्यावहारिक और महत्वाकांक्षी व्याख्यान दिया।

- स्नातक (कृषि) से चार छात्र, बी.टेक (कृषि अभियंत्रण) से तीन छात्र, परास्नातक (कृषि ) के दो छात्र, प्रबंधन (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) के चार छात्र और (ग्रामीण प्रबंधन) एक छात्र को किसान प्रो एग्रो टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा क्षेत्र बिक्री प्रबंधक और सस्य विज्ञानी के पदों के लिए चुना गया है।
- मैसर्स. एक्ज़ेमेनिया ऑर्गेनिक वैली प्राइवेट लिमिटेड, महाराष्ट्र ने व्यवसाय विकास सहयोगी के पद के लिए रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा से 14 छात्रों का चयन किया है।

## अनुसंधान:

### 10वीं अनुसंधान परिषद बैठक (खरीफ) आयोजित

18 से 20 मई और 27 मई को आयोजित 10वीं अनुसंधान परिषद बैठक (खरीफ) को जारी रखा गया और 1 एवं 3 जून, 2021को वर्चुअल मोड में संपन्न किया गया। इस अवसर पर माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के सभी अधिष्ठाता, निदेशको और वैज्ञानिको की उपस्थिति में कुल मिलाकर 18 अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजनाओं, 17 बाहरी वित्त पोषित परियोजनाओं, 21 विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाओं और 09 नई अनुसंधान परियोजनाओं पर चर्चा की। किसानों के लिए पांच नई किस्मों और दस तकनीकों को जारी करने की सिफारिश भी की गई।

### कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में अरहर के डंठल से तैयार साइड टेबल

डॉ. एस.के. पटेल, सह-प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष (फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग ), कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय ने डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, के संरक्षण में अरहर के डंठल से तैयार दो तरह के साइड टेबल को विकसित किया । साइड टेबल की प्रस्तुति माननीय कुलपति के समक्ष डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की उपस्थिति में प्रस्तुत किया गया। माननीय कुलपति द्वारा उत्पाद की खूब सराहना की गई।

### फील्ड-डे आयोजित

तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली में 11.06.2021 को फील्ड डे का आयोजन किया गया। बोरो- 2021 में डी.आर.आर.एच-2, राज-1 और राज-3 के हाइब्रिड पेरेंटल लाइन बीज उत्पादन के साथ पूसा और भारतीय चावल अनुसन्धान संस्थान, हैदराबाद से प्राप्त विभिन्न पुनर्स्थापक लाइनों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर निदेशक अनुसंधान एवं अधिष्ठाता, ति.कृ.महा., ढोली संबंधित वैज्ञानिकों के साथ उपस्थित थे।

- भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कालीकट, केरल द्वारा वर्चुअल मोड पर आयोजित 24.06.2021 को मसाला केंद्र पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की समीक्षा बैठक में मसालों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के संबद्ध वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

## प्रसार गतिविधियां:

### "सुखेत मॉडल" कृषि-अपशिष्ट प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय आकर्षण

कृषि-अपशिष्ट, फसल अवशेष और घरेलू कचरा अनियंत्रित और अप्राप्य निपटान और जलने के कारण स्वच्छता संबंधी समस्याएं, स्वास्थ्य के लिए खतरा और संभावित ग्लोबल वार्मिंग गैसों का उत्सर्जन करते हैं। संसाधनहीन गांवों में आमतौर पर गाय के गोबर का उपयोग खाना पकाने के उद्देश्य के लिए किया जाता है। इन मुद्दों के समाधान के लिए, डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के कुलपति डॉ रमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा सुखेत मॉडल का एक नवोकृष्ट संकल्पना दिया गया जिसमें सभी बायोडिग्रेडेबल कचरे को प्रतिनियुक्त विक्रेताओं द्वारा एकत्र किया जाता है और वर्मीकम्पोस्ट में परिवर्तित किया जाता है। बदले में, किसानों को लगभग समान लागत के एलपीजी सिलेंडर 2 महीने में एक बार प्रदान किए जाते हैं।

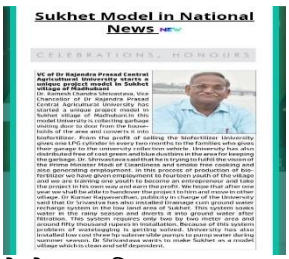


यह मॉडल ग्रामीण रोजगार के लिए अपार अवसर प्रदान करता है और ऐसी एक इकाई में कम से कम 10-12 युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है। कोरोना संकट के दौरान प्रवासी मजदूरों के लिए यह मॉडल वरदान साबित हुआ। मॉडल ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया है और कई स्थानों पर इसे दोहराया जा रहा है।.

### विश्व पर्यावरण दिवस पर रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में वेब-सम्मेलन का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर "बिहार में जलभराव और बाढ़ संभावित क्षेत्रों के प्रबंधन" पर 5 जून, 2021 को आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय और सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज ऑन क्लाइमेट (CASCC) रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा संयुक्त रूप से एक वेब सम्मेलन आयोजित किया गया ।. कार्यक्रम का उद्घाटन संयुक्त रूप से डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, रा.प्र.के.कृ.वि , पूसा के माननीय कुलपति, श्री एन. सर्वना कुमार, सचिव कृषि, बिहार सरकार और डॉ. आलोक सिक्का, देश प्रतिनिधि-भारत अंतरराष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान, कोलंबो ने किया । पूरे भारत से 200 से अधिक प्रतिभागियों, संकायों और विशेषज्ञों ने वेबिनार में भाग लिया और अपने तकनीकी इनपुट प्रदान किए। समापन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एस. के. चौधरी, उप महानिदेशक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, भा.कृ.अनु.प, नई दिल्ली ने किया।

## ➢ कृषि विज्ञान केंद्र वैशाली ने जलवायु परिवर्तनशील कृषि पर ई-किसान सम्मेलन का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, वैशाली द्वारा "जलवायु परिवर्तनशील कृषि प्रणाली: टिकाऊ कृषि के बेहतर विकल्प" पर 15.06.2021 को एक वर्चुअल ई-किसान सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें 700 से अधिक किसानों, वैज्ञानिकों और छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने की। डॉ. एस.एस. सिंह, रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्विद्यालय, झांसी के प्रसार शिक्षा निदेशक, डॉ. आर.के. जाट, बीसा, पूसा, डॉ. आर.के. झा, परियोजना निदेशक, सी.ए.एस.सी.सी., डॉ. पारस नाथ, प्राचार्य, बी.पी.एस. कॉलेज, पूर्णिया, डॉ एमएस कुंडू, प्रसार शिक्षा निदेशक, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा व्याख्यान देने वाले विशेषज्ञों में शामिल थे।

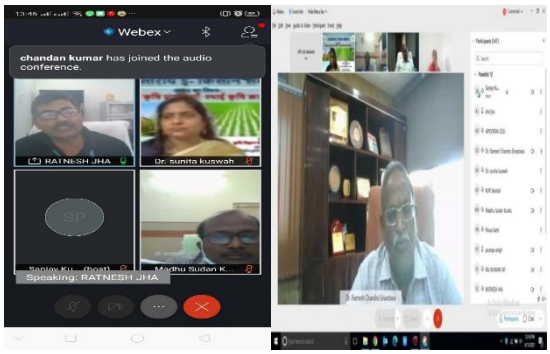


## ➢ कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया विश्व दुग्ध दिवस

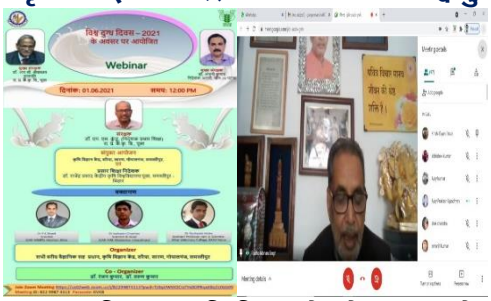


प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केंद्र सारण, गोपालगंज और कृषि विज्ञान केंद्र, समस्तीपुर के सहयोग से 1 जून 2021 को विश्व दुग्ध दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर.सी. श्रीवास्तव, कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा और निदेशक, अटारी, पटना और निदेशक, प्रसार शिक्षा , रा.प्र.के.कृ.वि. पूसा द्वारा किया गया। अधिकांश कृषि विज्ञान केन्द्रो द्वारा अपने परिसर में प्रशिक्षण, वेबिनार, ई-किसान गोष्ठी और जागरूकता कार्यक्रमों के साथ इस दिवस को मनाया गया।

## ➢ कृषि विज्ञान केंद्र में "उर्वरक का संतुलित उपयोग" पर किसान जागरूकता अभियान

भारत सरकार ने देश भर में मिट्टी की उर्वरता का मूल्यांकन करने और संतुलित उर्वरक सुनिश्चित करने एवं किसानों को मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक अनुशंसा प्रदान करने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर राष्ट्रीय मिशन शुरू किया है। इसे ध्यान में रखते हुए दिनांक 18.06.2021 को विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रो में वर्चुअल किसान जागरूकता अभियान और "उर्वरक के संतुलित उपयोग" पर ई-किसान गोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किए गए। विशेषज्ञों, हितधारकों और किसानों के बीच संतुलित उर्वरक का उपयोग की उपयोगिता को बढ़ाने के लिए एक अभियान के रूप में कार्यक्रम शुरू किया गया है।

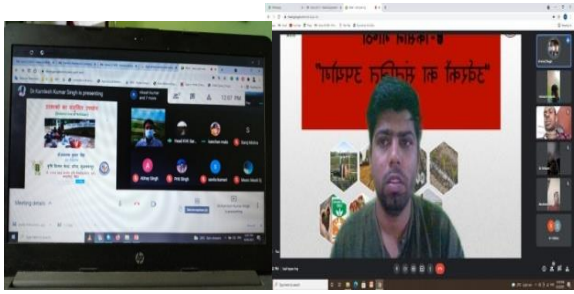

## ➢ आर्य-एफ.पी.ओ. लिंकेज: उद्यमिता विकास की दिशा में एक अभिनव कदम

दिनांक 08.06.2021 को श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय सांसद, मोतिहारी और पूर्व केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने कृषि विज्ञान केन्द्र, पिपराकोठी में आर्य(ARYA) परियोजना के तहत 7 विभिन्न किसान उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ) को बहुउद्देशीय ग्राइंडर मशीन और अन्य महत्वपूर्ण संसाधन बकरी उत्पादन में उद्यमिता के विकास के लिए प्रदान किए। वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र पिपराकोठी ने आर्य परियोजना के प्रशिक्षुओं को महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में बकरियां प्रदान कीं।

## ➢ कृषि विज्ञान केंद्र में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने सीआरए कार्यक्रम के तहत 15-17 जून, 2021 को "चावल की सीधी बुवाई (डी.एस.आर.) को अपनाये" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। बिहार में अधिक उत्पादन के लिए राजेंद्र भगवती और सहभागी जैसी कम अवधि की चावल की किस्मों की संभावना पर बल दिया गया ताकि बाढ़ के कारण होने वाले नुकसान का सामना किया जा सके। कृषि विज्ञान केंद्र तुर्की ने 17-19 जून, 2021 को कृषि महिलाओं के लिए "स्वास्थ्य लाभ के लिए पोषक उद्यान के महत्व" पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। केवीके सरैया ने "लीची स्क्वैश की तैयारी विधि का आकलन", "एग्रोमेट एडवाइजरी सर्विसेज का आर्थिक प्रभाव" और "चावल-गेहूं फसल प्रणाली"पर प्रशिक्षण आयोजित किया। कृषि विज्ञान केंद्र, भगवानपुर हाट, सीवान ने सीधे बीज वाले चावल में डीएसआर, चावल-गेहूं बीजक और खरपतवार प्रबंधन पर प्रशिक्षण आयोजित किया।

## ➢ प्रत्यक्ष बीज चावल सीआरए कार्यक्रम बिहार समाचार में परिलक्षित

मुजफ्फरपुर के मोरवां और द्वारिकानाथपुर गांवों में धान-गेहूं बिजाई संयंत्र से धान की सीधी बुवाई का प्रसारण बिहार न्यूज चैनल द्वारा 10 जून 2021 को किया गया । इसी तरह कृषि विज्ञान केंद्र -सी.एस.आई.एस.ए. परियोजना के तहत प्रखंड कोतवैन के ग्राम बरहरवा कलां में धान की सीधी बुवाई की गई जिसे दिनांक 11.06.2021 को बिहार टीवी चैनलों पर दिखाया गया।

## ➢ रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने पटना जिले में क्लाइमेट स्मार्ट इंटरवेंशन शुरू किया

सीएसए परियोजना के तहत काम कर रहे वैज्ञानिकों की टीम ने पटना जिले के फतुआ और दनियावां ब्लॉक के **10** गांवों का दौरा किया और क्लाइमेट स्मार्ट इंटरवेंशन शुरू किया। पिछले कुछ दिनों में हुई भारी बारिश के कारण धान की रोपाई क्षतिग्रस्त हो गई थी और किसान कुछ आकस्मिक उपाय करने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे किसानों को गीले डीएसआर के लिए कम अवधि की चावल की किस्में उपलब्ध कराई गईं, ताकि गेहूं की समय पर बुवाई के लिए उन्हें नवंबर के पहले सप्ताह से पहले काटा जा सके। पौध क्षति के कारण होने वाले नुकसान को कम करने के उपाय के रूप में उन्हें रोपाई के लिए तैयार पौध भी प्रदान किए गए।.

# पुरस्कार, खेल, महत्वपूर्ण दिवस इत्यादि

डॉ. अंबरीश कुमार, अधिष्ठाता, कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय ने 18 से 20 जून, 2021 तक आयोजित "वाटर सोर्स सस्टेनेबिलिटी" पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में भारतीय जल संसाधन सोसायटी (आई.डब्लू.आर.ऐस.), जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की से वर्ष 2020 के लिए "प्रख्यात जल संसाधन वैज्ञानिक पुरस्कार" प्राप्त किया। आई.डब्लू.आर. एस. ने यह पुरस्कार उनके व्यापक अनुभवों और जल प्रबंधन, एचडीपीई एम्बेडेड चेक डैम और फ्लेक्सी-रबर डैम की प्रभावी वर्षा जल संचयन की प्रौद्योगिकियों/अवधारणाओं/पद्धतियों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया।

## ➢ डॉ. एस.पी. सिंह और टीम को मिला बेस्ट ओरल पेपर प्रेजेंटेशन अवार्ड

डॉ शिवेश्वर प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक, मृदा विज्ञान को डॉ शंकर झा, डॉ शिव शंकर प्रसाद, डॉ सुदर्शन दत्ता, डॉ रत्नेश कुमार झा और डॉ माधब चंद्र मन्ना सहित वैज्ञानिकों की टीम के साथ "अस्थायी और स्थानिक परिवर्तनशीलता में चूने वाली मिट्टी में चूक प्लॉट तकनीक के माध्यम से संकर चावल और मक्का की उत्पादकता के लिए पोषक तत्व योगदान" पर सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्राकृतिक संसाधनों और पर्यावरण के संरक्षण पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय और 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन में 9-10 जून, 2021 के दौरान इसे ईरान के मोहाघेग अर्दाबिली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

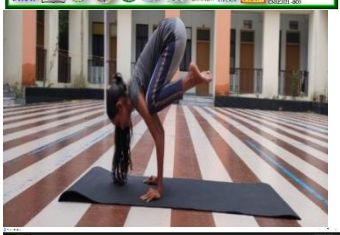

➢ रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने 21 जून 2021 को 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया और मनाया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी वरिष्ठ प्रशासक, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारी और छात्र शामिल हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति ने हमारे दैनिक जीवन में योग के प्राचीन विज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला।

➢

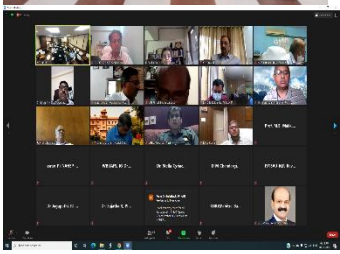

➢ डॉ. एस. के. जैन, प्राध्यापक (सॉइल एवं वाटर इंजीनियरिंग), डॉ. पी.के. झा, प्रोफेसर (पादप रोग विज्ञान), डॉ. एस. के. पटेल, सहायक प्राध्यापक (फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग ) और डॉ. पी. के. प्रणव, सहायक प्राध्यापक (फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग ) ने राष्ट्रीय निदेशक, राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना की अध्यक्षता में 2-3 जून, 2021 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना की वार्षिक समीक्षा बैठक (वर्चुअल) में भाग लिया। डॉ. एस के जैन ने परियोजना की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की

➢ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिहार में जलभराव और बाढ़ प्रवण क्षेत्रों के प्रबंधन पर वेब सम्मेलन में मत्स्य पालन विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ शिवेंद्र कुमार ने एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। व्याख्यान का विषय बिहार के जलजमाव वाले क्षेत्रों में मत्स्य पालन था।

➢ डॉ. एस. नंदनी, सहायक प्राध्यापक, पादप रोगविज्ञान , तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने वर्चुअल मोड के माध्यम से जीडी गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा आयोजित 7 दिवसीय समर स्कूल (14- 21, जून, 2021) में "मौसमी मशरूम की खेती- समय की आवश्यकता" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

**तकनीकी हिंदी अनुवाद- डॉ. राकेश मणि शर्मा एवं गुप्तनाथ त्रिवेदी**